

नेहरू बाल पुस्तकालय

पूँछ की पूछ

रामेन्द्र कुमार

चित्र

पुलक विश्वास

अनुवाद

पंकज चतुर्वेदी



nbt.india

एकः सूते सकलम्

बहुत पुरानी बात है, जब साँप और नेवले की गहरी दोस्ती थी।





nbt.india

एकः सूते सकलम्

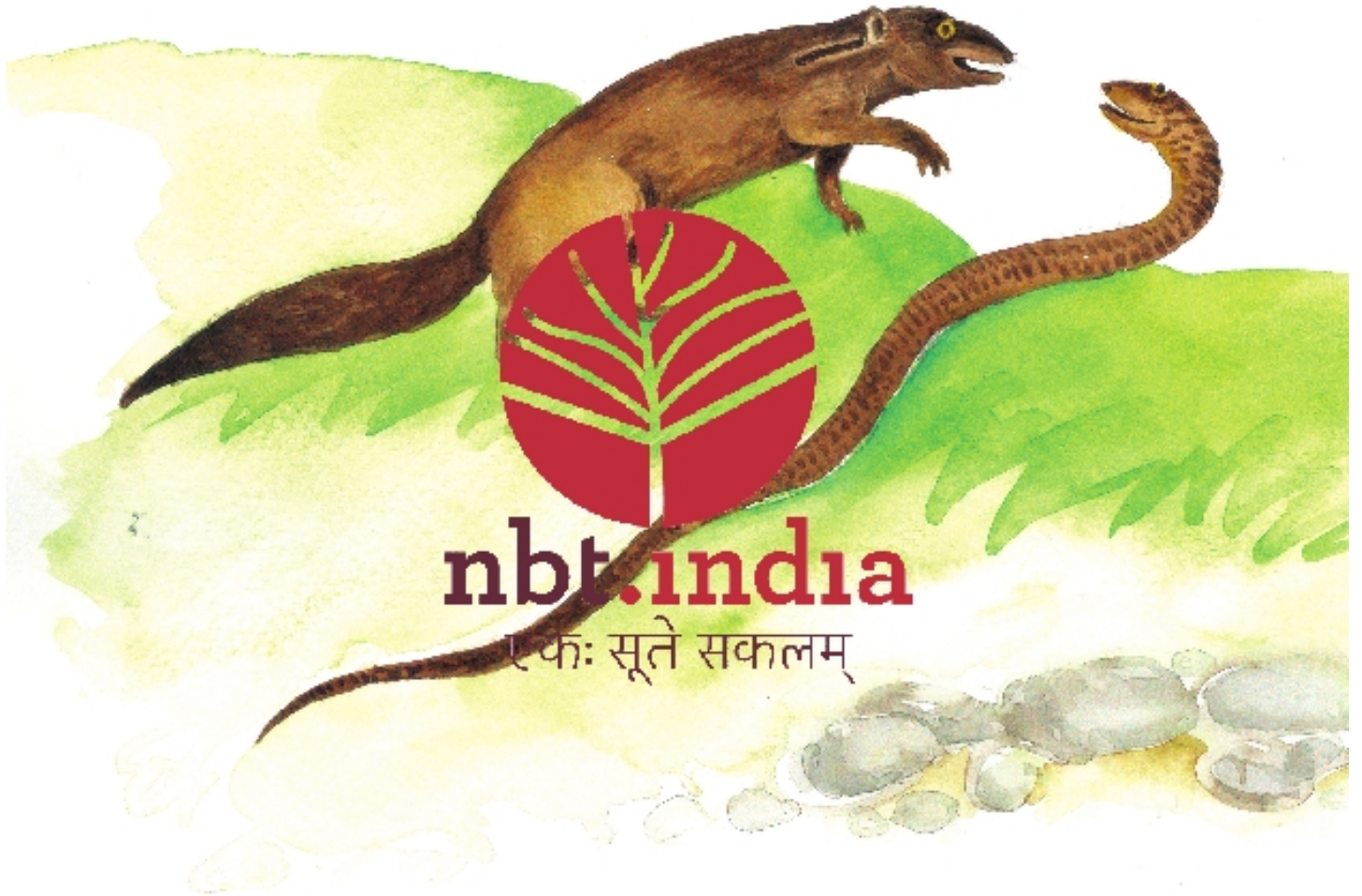
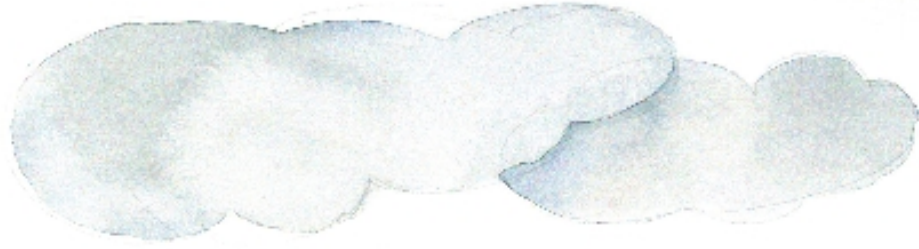
वे साथ-साथ खेलते, शिकार करते और एक साथ खाते थे।





nbt.india

एकः सूते सकलम्



nbt.india

एकः सूते सकलम्

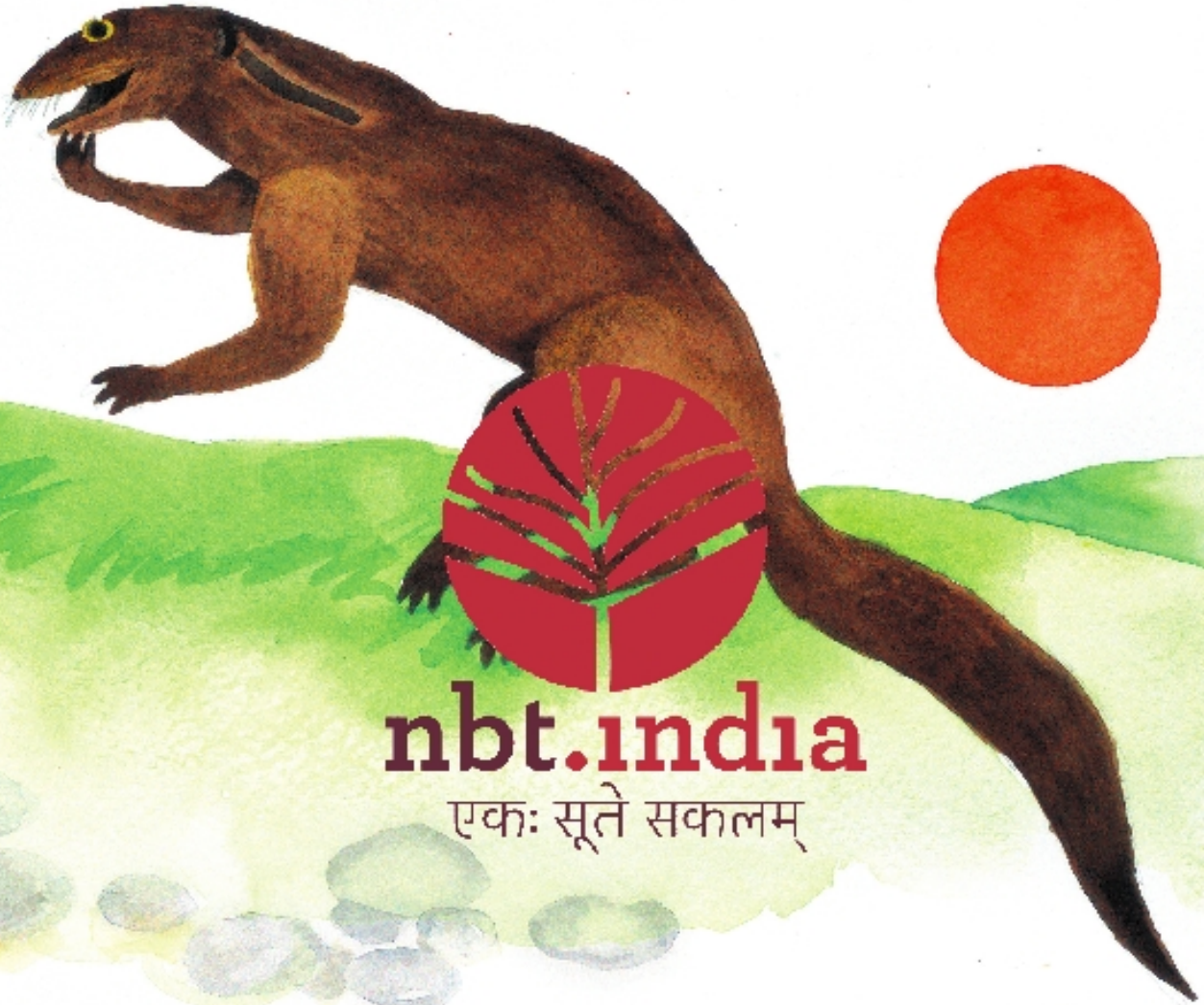
एक दिन उन्हें जानकारी मिली कि पड़ोस के जंगल, जिसका नाम 'पिटारा' था, में एक प्रतियोगिता होने जा रही है। "सबसे लम्बी पूँछ की प्रतियोगिता"।



सँप ने नेवले से कहा, “मैं तुम्हारी पूँछ को अपने मुँह में दबा लूँगा सभी को लगेगा कि तुम्हारी पूँछ इतनी लम्बी है। इस तरह हम दोनों मुकाबला जीत लेंगे।”



एकः सूते सकलम्
एकः सूते सकलम्



nbt.india
एकः सूते सकलम्

नेवले को भी यह बात ठीक लगी और वे दोनों 'पिटारा' पहुँच गए।





nbt.india

एकः सूते सकलम्

सभी प्रतियोगियों को बड़ी सी चट्टान पर बैठाया गया, जिससे उनकी पूँछ नीचे की ओर लटकती रहें।





जंगल का राजा हाथी अपनी सूँड़ को पैमाना बना कर सब की पूँछ को माप रहा था।



अंत में नेवले को विजेता घोषित कर दिया गया। उसकी पूँछ 'चार सँड' के बराबर थी।



वहाँ पर शानदार भोज की भी व्यवस्था थी। नेवला खाने में ऐसा जुटा कि अपने दोस्त साँप को ही भूल गया। भूखे साँप को गुस्सा आ रहा था। उसने धीरे से खुद को नेवले से अलग कर लिया और भोजन की तलाश में निकल पड़ा।





nbt.india

एकं शूते सकलम्

हाथी की निगाह साँप और नेवले दोनों पर पड़ी गई। उसने उन दोनों को अपनी सूँड़ में लपेटकर बाहर फेंक दिया।





nbt.india
एकः सूते सकलम्

अब साँप और नेवला एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगे...





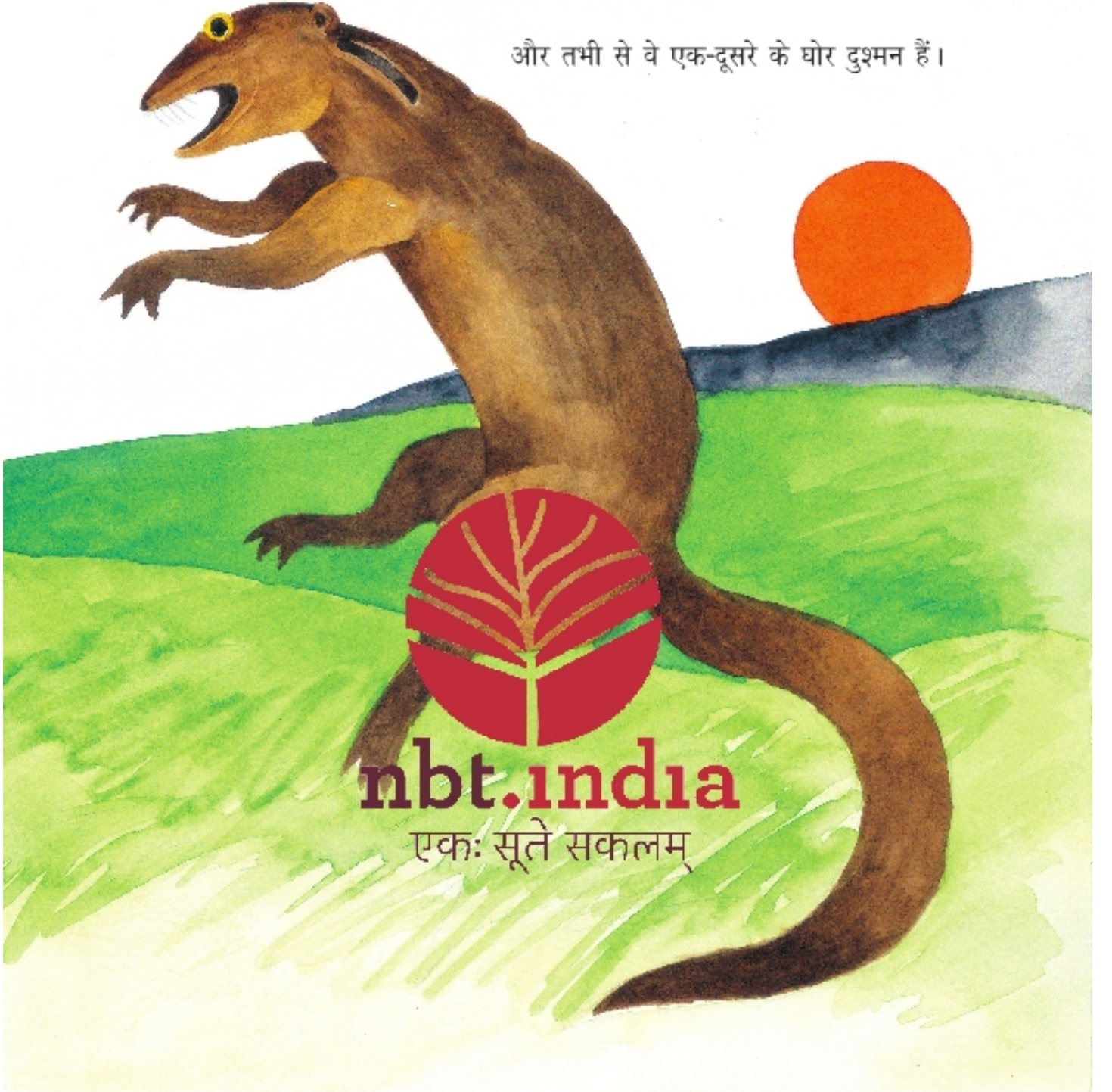
nbt.india

एकः सूते सकलम्

और उनके बीच ज़बरदस्त भिड़ंत हो गई...



और तभी से वे एक-दूसरे के घोर दुश्मन हैं।



nbt.india

एकः सूते सकलम्



nbt.india
एकः सूते सकलम्

रेकमो प्रेस प्रा. लि., नई दिल्ली द्वारा मुद्रित ।